प्रेस विज्ञप्ति

सामान्य सुविधा केन्द्र (CFCBPT), वनोपज प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा **''बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर''** दिनांक **25 से 27 मार्च 2014** तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण वन विभाग, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के निवेदन पर आयोजित किया गया। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से 20 प्रतिभागियों (कारीगर एवं लघु पैमाने के निर्माता) इस प्रशिक्षण में भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मूल्य संवर्द्धन और आजीविका के लिए कारीगरों को बांस प्रसंस्करण एवं उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षित करना था। अतः इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत निम्नलिखित चीजें सिखानें का प्रावधान रखा गया था जिसमें मुख्य रूप से चटाई, टोकरी, फूलदान, ट्रे तथा रसोई में साग–सब्जियाँ रखने हेतु आकर्षक डिजाईन की वस्तुएं बनाना था। इन सभी चीजों के अलावा बांस के द्वारा घरेलु फर्नीचर बनाने पर भी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बांस के मूल्यवर्धन एंव उचित उपयोग के बारे में जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में बांस के उपयोग एवं बांस से बनाई जाने वाली हस्तशिल्प वस्तुओं के मूल्यवर्धन करने का प्रायोगिक प्रदर्शन करके प्रशिक्षण दिया गया। CFCBPT में बांस प्रसंस्करण की मशीनें लगायी हैं। इन मशीनों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इनका उद्देश्य मुख्यतः बांस की उपयोगिता बढ़ाना तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इस कार्यक्रम में बांस संशोषण, बांस मैट बोर्ड, बांस परिरक्षण तथा बांस हस्तशिल्प उत्पादों में पॉलिश की तकनीकों के विषयों पर वैज्ञानिकों/तकनिकी सहायको/कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

डॉ0 के0पी0 सिंह
चीफ प्रोटोकॉल आफिसर
वन अनुसंधान संस्थान
देहरादून

Press Note

Three days training on **"Bamboo Processing and Product Making"** for artisans and small scale manufactures of Himachal Pradesh was organized at Common Facility Centre, Forest Products Division, Forest Research Institute from 25 March to 27 March 2014. The training was sponsored by Forest Department, Dharamshala, Himachan Pradesh. About 20 participants from different regions of Himachal Pradesh participated at training programme. The objective of the training was to train the artisans and small scale manufacturers from Himachal Pradesh on bamboo processing, seasoning, preservation and handicraft making for value addition and livelihood generation. Trainees were given practical demonstrations on chemical treatment of bamboo by boucherie technique, chemical seasoning of bamboo handicrafts using urea, use of ammonia fumigation technique and bamboo composite making. During the training artisans were trained to prepare products like mats, baskets, trays, vases, table frames and other household items. There are multitudes of different products that can be made from bamboo, giving producers wide range of options. In bamboo product making many stages are involved, this creates an opportunity for value addition. Activities like coloring, weaving and fine splitting of bamboo was taught under training. Artisans were also trained on various bamboo processing machines like cross cutter, slicer, node remover, splitter etc., which have been installed at the Common Facility Center, Forest Research Institute, Dehradun. This way, Forest Research Institute is helping in promoting a sustainable method of livelihood for villages and small scale manufacturers. The scientists and technical staff of Forest Products Division imparted valuable input to the trainees on various aspects of value addition of bamboo products during the training programme.

(Dr. K.P. Singh)
Chief Protocol Officer
Forest Research Institute